श्रवण प्रशिक्षण का संक्षिप्त विवरण

सभी के लिए एक सशक्त संचार माध्यम

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान
मानसगंगोत्री
मैसूर 570006

श्रवण प्रशिक्षण कम सुनने वाले बच्चो की सुनने की क्षमता के अधिकतम उपयोग के लिए प्रयोग किया जाता है । बच्चा जितनी जल्दि एक उपयोगी श्रवण यंत्र या काक्लियर इम्प्लांट का इस्तेमाल करेगा और उसके साथ जब उसे श्रवण प्रशिक्षण दिया जाएगा, वह उसके लिए उतना ही लाभकारी होगा । श्रवण प्रशिक्षण आमतौर पर ऐसे बच्चो के लिए किया जाता है जिनमे अनुकूल बोली समझने की क्षमता हो ।

श्रवण प्रशिक्षण से कम सुनने वाले बच्चों का मदद मिलती है:

- सुनने की क्षमता के सुधार में और श्रवण संकेतों पर ध्यान देने में
- बोली के माध्यम से और अधिक प्रभावी ढंग से संवाद करने में,
- स्कूलों में अधिक प्रभावी ढंग से कार्य और
- एक वास्तविक परिस्थिति में अधिक प्रभावी ढंग से कार्य ।

श्रवण प्रशिक्षण के प्रमुख चरण है:

श्रवण अभिज्ञता : ध्वनि की उपस्थिति या अनुपस्थिति का संकेत देना ।

श्रवण विभेद : यह बताना की शब्द एक है या अलग अलग है ।

श्रवण पहचान : बोली गई वस्तु का नाम लेना या इशारा करना ।

श्रवण ग्रहण :बोली हुई बात को सुनकर समझना ।

- श्रवण प्रशिक्षण के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने ऑडियालजिस्ट से संपर्क करे,
- यह ध्यान रहे की आप अपने बच्चे को घर पर भी श्रवण प्रशिक्षण दे,
- बच्चे को दैनिक जीवन की परिस्थितियों में सुनने का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें,
- आप किसी भी सवाल/टिप्पणी के लिए या अगर आपको किसी भी मदद की ज़रूरत है, तो हमसे संपर्क कर सकते है ।

श्रवण विज्ञान विभाग
अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान
मानसगंगोत्रि, मैसूर 570006

☎: 0821-2502000, 2502100, 2502704
टोल फ्री न : **1800 425 5218**
ई मेल: director@aiishmysore.in
वेब साइट : www.aiishmysore.in
कार्य समय: प्रात: 9:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक
सोमवार से शुक्रवार केंद्रीय सरकारी छुट्टी दिनों को छोड़कर

Developed by Prof. Asha Yathiraj & Ms. Chandni Jain
Designed by the Department of Material Development/2013
Translated by: Ms. R. Rajalakshmi & Ms. Chandni Jain